Speaker 1: हेलो, नमस्कार भाईसाहब।

Speaker 2: नमस्ते जी, कैसे है आप।

Speaker 1: बस बढ़िया, आप सुनाओ।

Speaker 2: बस बढ़िया, कल वो आये थे अंकित

Speaker 1: हाँ जी, हाँ जी।

Speaker 2: तो वो थोड़ा परेशान हो रहे थे उस दिन की बातों को लेकर।

Speaker 1: हाँ जी, हाँ जी।

Speaker 2: मैंने कहा बेटा परेशान मत हो, इसमे कोई बुरी बात नही है, देखो आपने बता दिया तो

बहुत अच्छी बात है, नही बताते तो हम क्या करते, हम सोचते चलो एक गाड़ी दे देते

है।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: ऐसा के देते है।

Speaker 1:हाँ जी।

Speaker 2: वैसा के देते है।

Speaker 1: हाँ जी, हाँ जी, ठीक है।

Speaker 2: तो इससे डायरेक्शन ना क्लियर हो जाता है।

Speaker 1: बिल्कुल।

Speaker 2: इसमे कोई बुरी बात नही है।

Speaker 1: हाँ जी, हाँ जी।

Speaker 2: तो उसे समझा दिया था।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: बाकि हमने तो उसको बल्कि ये भी कहा था मैं जब भी कभी घर बनाओगे आप यहाँ

पे।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: पूरा जब भी आपका मन करे तो हमारे पास फ्लैट है, यहाँ पे आ के रहो अपना आराम

से, यहाँ रह के अपना बनवाई जाना, जब बन जायेगा तो देख लेना।

Speaker 1: बता रहा था, अंकित मेरे को ये चीज, तो मैंने उसको बोला और वो खुद भी यही कर

रहा है मम्मी मैं ना बाथरूम तो अच्छे बनवा देता हूँ, जितना काम हमसे हो सकता है

क्युकी चलो रूम तो भई हम बड़े कर नही सकते।

Speaker 2: नहीं,नहीं मैंने भी, मुझसे भी बोल रहा था, मैंने कहा कुछ-कुछ उसमे करवा ले बेटे।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: जो पॉसिबल जो पॉसिबल है वो करवा लो, बाकि ज्यादा कुछ कराने कि जरुरत नही।

Speaker 1: हाँ जी, तो वो ये कह रहा था मम्मी रूम तो बड़े हो नही सकते, मैं बाथरूम जो है ना

मॉडरेट बनवा देता हूँ, और उसके बाद जो है, क्या कहते है कि थोड़े दिनों का काम है

कुछ ज्यादा कम तो है नही, ये वाला करवाना, वो लेबर कल से अभी आप जस्ट

आपके फ़ोन से पहले ही उसका फ़ोन मैंने कटा वो कह रहा था कि वो मार्बर वाले है

यहाँ पर वो प्लम्बर वैगेर का काम का तो पूछ रहा था मेरे से कोई लेबर वेबर का

काम, वो मतलब कोशिश मे लग गया है करने के किये।

Speaker 2: बहुत बढ़िया।

Speaker 1: बाकि जो फ्लैट कि बात है,वो कह रहा है कि नानी से उसे ज्यादा लगाव है मैं ही खाली

नानी के साथ रह लूँगा वहा पे, हम लोग तो देखो यही पे ही रहेंगे, मैं क्युकी मैं भी

समझती हूँ जब मैरिड लाइफ है तो मैं उसमे जो है आ के हमारा अच्छा नही है कि,

(01:51 overlapping)

Speaker 2: अरे देखिये मेरी बात समझे नही, मैं इसलिए आपको फ़ोन भी किया था।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: हमारी कोई ऐसी इंटेंशन नही है कि हम कहेगे यहाँ रहे, हमने कहा अगर आप लोग

को कांविनेट हो सारे जनों को।

Spesker 1: नही, नही, नहीं।

Speaker 2: तो आप लोग इधर आओ और इधर रहो।

Speaker 1: हाँ जी,आपकी बात का मैं देखिये सम्मान करती हूँ, आपने इतना अच्छा हमारे लिए

सोचा वो हम भी उल्टे नही है, देखिये।

Speaker 2: वो जैसे सोच रहे थे कि मुझे फ्लैट लेना चाहिए तो मैंने उस बात पर उससे कहा

कि कोई जरुरत नही है ना कभी सोचीयो,समझ ले तेरे पास एक फ्लैट डे वन से है।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: जब तुझे चाहिए मुझे बता दियो मुझे भी फ्लैट की जरुरत पड़ेगी, हमें एक हफ्ता दस

दिन का टाइम लगेगा, किरायेदार को बोल देंगे भैया खाली कर दो दूसरी जगह चले

जाओ।

Speaker 1: नही ठीक है, वो कहता है कि मेरे को फ्लैट आंटी ने ऑफ़र किया था तो मैंने ये सोचा

कि मैं नानी को लेकर रहूँगा वहा पे, बाकी हम लोग तो खेर यही पर रहेंगे हमें तो ये है

कि देखिये हमें भी इस मकान मे रहना इतने साल से हमें लगाव हो गया रहते-रहते

और वेसे भी आप जो कह रहे है मैं आपकी बात का सम्मान करती हूँ लेकिन ये है कि

मे नही चाहती, देखिये यहाँ पर मेरे दो भाई है तो फिर भी तीन फ्लोल है चाहे छोटी

बड़ी जो भी है तो हम ऊपर नीचे रह सकते है वहा जो है ना एक ही जगह मे

एडजस्टमेंट उसको बच्चो को ही महसूस होगा और ये भाई जो है अनमैरिड है तो वो

इतने समझदार भी नही है कि हमें कोट मे होना है क्या करना है तो

चीज टकराव मेरे को पसंद नही है मैं भाईयो समझाओ या डाठो वो ऐसी

सिचुएशन में लाना नही चाहती, मैं तो देखो क्लियर बात करती हूँ।

Speaker 2: ये सिर्फ आप लोगो का फिमली मैटर है हमारा नही है हम तो आपको बोल सकते है

कि एक आपका घर और भी अवेलेबल है

Speaker1: हाँ जी,थानकू मैं वही कह रही हूँ ना कि आप सोच रहे है बहुत अच्छा सोच रहे है बाकि

बाकि जो है ना मैंने अंकित पे छोड़ा है देखो रहना तो बच्चो को है काम्या खुश रहे अंकित

खुश रहे आप भी नही चाहते होंगे मैं भी यही चाहती हूँ।

Speaker 2: बिल्कुल मैं बाकियों से मैंने ये भी बता दिया था मैं कभी किसी चीज के लिए घबराना

मत, जैसे हम, देखिये ऐसा है सिद्धार्थ हमारी रिस्पांसिबीलीटी है।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: ऐसी ही अंकित हमारी रिस्पांसिबीलीटी है।

Speaker 1: बिल्कुल जी बिल्कुल वो खुश रहेगा आपको भी खुशी होगी।

Speaker2: बिल्कुल वो अगर किसी वजह से किसी भी रिजन से परेशान होगा तो वो परेशानी हमारी

भी परेशानी होगी।

Speaker 1:बिल्कुल,बिल्कुल जब आपने उसे सिद्धार्थ ही समझ लिया है तो मेरे को पूरा यकीन है

कि वो जो है, बिल्कुल आप उसे खुश रखेंगे वो भी खुशी रहेगा।

Speaker 2:बिल्कुल,बिल्कुल हमें तो, हम लोग ऐसा है कि हमारी छोटी फेमली के है हम चाहते है

फेमली के साथ कोई जोड़े।

Speaker 1: बिल्कुल।

Speaker 2: भगवान कि दया है कोई दिक्कत वाली बात नही है बहुत कुछ भगवान ने दे रखा है।

Speaker 1: अच्छा है जी।

Speaker 2: इस वजह से कोई किसी किस्म कि दिक्कत नही है।

Speaker 1:बिल्कुल ठीक है मैं भी चाहती हूँ प्यार बना रहे जी, परिवार आगे बड़े कोई ऐसे उसमे

सक्षम हो ही ना कोई ऐसा रिजन ही ना बने।

Speaker2: रिजन बन ही नही सकता जी।

Speaker 1:मैं वो नही कह रही हो ना।

Speaker 2: वो कभी बन ही नही सकता।

Speaker 1:ना ही बने ना ही बने, मैंने अंकित को कहा कोई बात नही मैं तेरे को वहा मिल जाऐ

करुँगी काम्या यहाँ आ के मेरे को मिल जाए करेगी कोई दिक्कत कोई दूर तो है नही,

जब तेरी बहन का मन होगा बहन मिल जायेगी कोई ऐसी दिक्कत नही है हमें तो।

Speaker 2:वो एक आप्शन है जी जब आपका मन करे।

Speaker1: हाँ जी।

Speaker 2: जहा मन करे, वहा आ करके ये तो बहुत अच्छी है अगर आप लोग सारे जने साथ रहो

मैं तो बता रहा था हमारी सोसाइटी मे कई एक ऐसी फेमली भी है।

Speaker1: हाँ जी।

Speaker 2: वो साथ ही साथ रहेंगे

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker 2: असल मैं होता क्या है जी मैं आपको बताओ।

Speaker 1: हाँ जी।

Speaker2: आज कल सभी का फेमली साइड ऐसा है एक बेटा होता है और एक बेटी होती है।

Speaker 1: हाँ जी बिल्कुल।

Speaker2: तो उसमे बहुत सारे लोग ऐसा कर लेते है चलो पास पास ही रहो यार दूर किस लिए

। रहना

Speaker1: हाँ जी ये भी ठीक है।

Speaker2: एक दुसरे के खुश दुःख मे खड़े तो है।

Speaker 1: बिल्कुल, बिल्कुल ।

Speaker2: कोई दिक्कत हो आवाज मार लो।

Speaker1: बिल्कुल,बिल्कुल।

Speaker 2: तो वो ये मुझको बता रहे थे मैंने कहा बेटा कभी भी किसी चीज कि दिक्कत हो कभी

सोचने कि जरुरत ही नही है बाकि ये जो बात है मेरी और आपकी मम्मी के बात

है उसमे आपका कोई लेना देना नही है।

Speaker1: हाँ जी।

Speaker2: वो हम जाने वो बड़ो के कुछ अपनी भी डिसीजन रहते है ना।

Speaker 1: हाँ जी, हाँ जी ठीक है।

Speaker 2: और वो हमेशा जो भी करेंगे आपके भले के लिए करेंगे।

Speaker 1: बिल्कुल ठीक।

Speaker 2: वो कभी ऐसा भी सोचेंगे नही कि मैं कोई ऐसा काम करू जिससे अंकित का बुरा हो

जाए, काम्या का बुरा हो जाए।

Speaker 1: नहीं नहीं कोई बात नही, वो अंकित के साथ ही काम्या कि लाइफ जोड़ी है, काम्या के

साथ अंकित कि लाइफ जोड़ी है देखिये।

Speaker2: बिल्कुल, बिल्कुल।

Speaker 1:हाँ जी, ठीक है जी बाकि जो है अंकित से मैंने कह दिया है मैंने कहा बेटा तू जिसमे

खुश रहे, मेरे तरफ से आजाद हो तुम, तुम ही अपनी बात कर लेना, मेरे पास फोन

आऐगा मेरी तो हाँ ही हाँ है।

Speaker 2:कोई बात नही जी मैंने उसे बता दिया था मैंने कहा, हम लोगो ने डेट निकल वाई है

ट्वेंटी ऐट कि।

Speaker1: हाँ जी।

Speaker2: ट्वेटी ऐट को डीसाइड कर लेंगे अभी तो मैं न्यूज़ पेपर पड रहा था तीस लाख शादीया

हो रही है एक डेढ महीने के अंदर।

Speaker1: फ़रवरी मे कह रहे हो ना आप।

Speaker2: हाँ जी।

Speaker 1:ट्वेटी ऐट

Speaker 2: थर्टी थेर्टी लाख।

Speaker 1: अच्छा अच्छा नही शादीया तो मैं समझ गई, डेट आपने कौन सी बताई।

Speaker 2: अभी तो तीस तारीख निकली है तीस जनवरी।

Speaker 1: हाँ जी,ये तो रोका वाली है मगर शादी कि अभी नही निकली।

Speaker 2: नही नही शादी जो है वो अगले महीने फिर उस दिन बैठकर शादी कि डेट डीसाइड

करेंगे।

Speaker 1:ठीक है, ठीक है, ठीक है, मेरी बेटी भी कह रही थी मम्मी फ़रवरी के एंड मे ही करना

क्युकी।

Speaker 2:हाँ हाँ वही करेंगे।

Speaker 1: स्कूल कोचिग दोनों को देखना है उसने।

Speaker 2: नही नही वही करें फ़रवरी एंड मे।

Speaker 1: ठीक है, ठीक है ओके।

Speaker 2: ओके।

Speaker 1: थान्कू।